ماہنامہ

شعاع عمل لکھنؤ

جنوری ۲۰۱۶ء

قَالَ اللّٰهُ تبَارَکَ وَتعَالیٰ قَدْ جاءَ کُمْ مِنَ اللّٰهِ نُورٌ وَکِتَابٌ مُبِینٌ

بے شک تمہارے پاس اللہ کی طرف سے نور آیا ہے اور روشن کتاب

حسن عسکری علیہ السلام

نور ہدایت فاؤنڈیشن، حسینیہ غفرانمآبؒ، چوک، لکھنؤ-۳

R.N.I NO. UPBIL/2004/13526
Postal Regd. No. SSP/LW/NP-75/2014-16 Dispatch Date: 2 & 6 of Every Month.

SHUA-E-AMAL

Annual Rs. 200/- Lucknow Per copy-Rs. 20/-

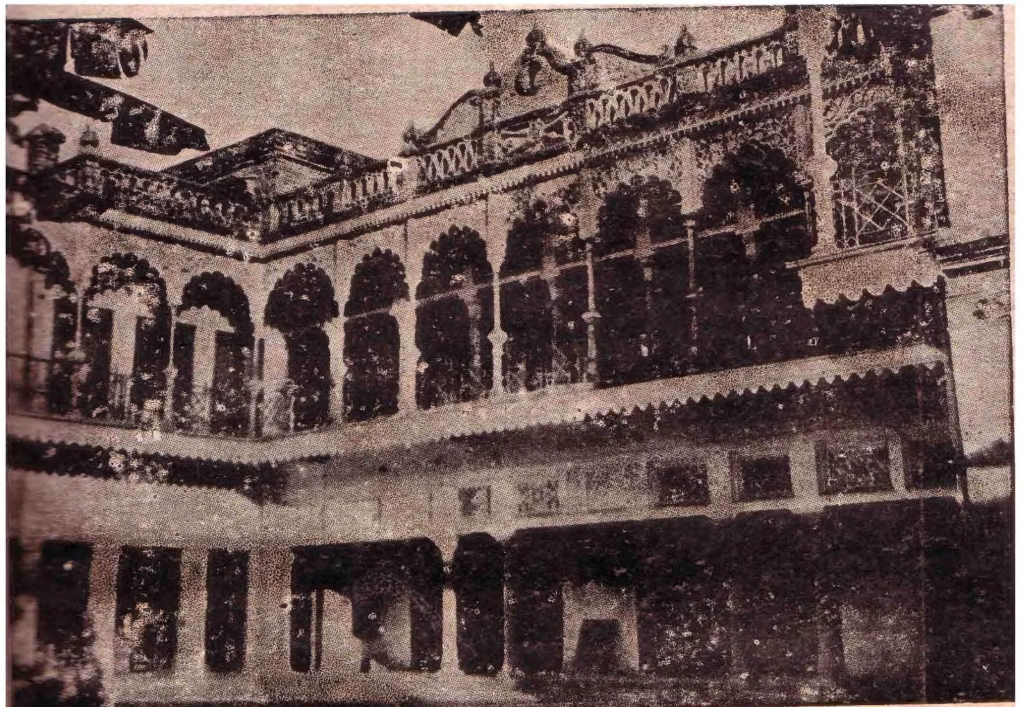

جامعہ ناظمیہ کی عمارت کا ایک رُخ

शुआ-ए-अमल

हिन्दी, उर्दू मासिक पत्रिका लखनऊ

January 2016

NOOR-E-HIDAYAT FOUNDATION

Imambara Ghufran Maab, Chowk, Lucknow-3 (U.P.) INDIA, Ph.:0522-2252230

Per Copy 20/-
Annual 200/-

वर्ष 12 — अंक 7

बिस्मेही तआला

नूरे हिदायत फ़ाउण्डेशन की

इस्लामी, ज्ञान व शोध

हिन्दी, उर्दू मासिक पत्रिका

जनवरी 2016 ई०

शुआ-ए-अमल

"लखनऊ"

न्यास संस्थापन

15 जमादिलऊला 1424 हि० / 16 जुलाई 2003 ई०

पत्रिका विमोचन

15 जमादिलऊला 1425 हि० / जुलाई 2004 ई०

पर्यवेक्षक:
मु० र० आबिद, गोलागंज लखनऊ

सलाहकार समिति

- प्रोफ़ेसर अल्लामा अली मुहम्मद नक़वी, अलीगढ़
- डॉ0 महदी ख़्वाजा पीरी, ईरान
- सै0 हसन अब्बास नक़वी, मुम्बई
- मौलाना हसन ज़फ़र नक़्वी, कराची
- कैप्टन सिकन्दर रिज़वी, लखनऊ
- प्रोफ़ेसर हुसैन कमालुद्दीन अकबर, इलाहाबाद
- सै0 अहमद अब्बास नक़वी, मुम्बई
- शायरे अहलेबैत रज़ा सिरसिवी, सिरसी
- सै0 सैफ़ तक़ी नक़वी, दिल्ली
- मुहम्मद आलिम, हुसैनाबाद, लखनऊ

संरक्षक

क़ाएदे मिल्लत मौलाना सै. **कल्बे जवाद** नक़वी साहब

अध्यक्ष प्रचार प्रसार

माननीय **नवाब रज़ा** साहब, भोपाल

सम्पादक

सै. मुस्तफ़ा हुसैन नक़वी 'असीफ़' जायसी

उप-सम्पादक

क़ायम महदी नक़वी 'तज़हीब' नगरौरी
आसिफ़ अब्बास नौगांवी, इमरान आग़ा, समद अब्बास

मिलने का पता

नूरे हिदायत फ़ाउण्डेशन

इमामबाड़ा हज़रत ग़ुफ़रानमआब, मौलाना कल्बे हुसैन रोड, चौक, लखनऊ - 3

Phone No: 0522-2252230 Mobile No: 08736009814 — 09335996808

प्रकाशक मुद्रकः सैय्यद मुस्तफ़ा हुसैन नक़वी द्वारा स्वामी एस कलबे जवाद नक़वी के लिए निज़ामी प्रेस विक्टोरिया स्ट्रीट अपोज़िट हसनैन मार्केट, चौक, लखनऊ (उ0 प्र0) से मुद्रित तथा नूरे हिदायत फ़ाउण्डेशन, इमामबाड़ा ग़ुफ़रानमआब, मौलाना कल्बे हुसैन रोड, चौक लखनऊ (उ0 प्र0) से प्रकाशित।
सम्पादकः सैय्यद मुस्तफ़ा हुसैन नक़वी

विषय सूची

जनवरी 2016 ई०

रबीउल अव्वल 1437 हि०

सम्पादन समिति

- डॉ० अमानत हुसैन नक़वी
- वासिफ़ अहमद नक़वी 'समीर'
- गौहर अली मुबारकपूर, आज़मगढ़
- मुहम्मद शादाब तफ़ज़्ज़ुली
- मज़हर हुसैन 'ताज' लखनवी
- शाहिद अली आज़मी
- इब्राहीम अली कश्मीरी
- अलहाज मिर्ज़ा हुमायूँ क़दर
- डॉ० आरिफ़ अब्बास
- रेहान आलम, लखनऊ
- बिन्ते ज़हरा 'नदल हिन्दी'

- ज़फ़र हुसैन रिज़वी ब्यूरोचीफ़ मुम्बई
- इरफ़ान हैदर, ब्यूरोचीफ़ मध्यप्रदेश
- कैफ़ तक़ी नक़वी, ब्यूरोचीफ़ देहली

R.N.I. No.
UPBIL/2004/13526

Postal Regd. No.
SSP/LW/NP-75/2008-10

WEBSITE:
www.noorehidayatfoundation.org
www.naqeeblucknow.com

E_mail:
noorehidayat@yahoo.com
noorehidayat@gmail.com

नं०	लेख व लेखक	पृष्ठ
1.	**पैग़म्बर का आचरण और ज्ञान** मौलाना नसीर इज्तेहादी पाकिस्तान	5
2.	**इस्लाम और नई साइन्सों की शिक्षा** डा० मौलाना सै० कल्बे सादिक़ साहब	7
3.	**इमाम हसन अस्करी की शहादत** तौहीद प्रकाशन व्यवस्था	11
4.	**इस्लाम के इतिहास में हज़रत अली,,,** डॉ0 सै0 आबिद हुसैन साहब	13
5.	**अब्बासी हुकूमत के मज़ालिम** मौलाना सै० मुहम्मद मुस्लिम नक़वी	16
6.	**मुख्य समाचार** इदारा	17

वार्षिक अंशदान

1- एक साल के लिए 200/-
2- पांच साल के लिए 800/-
3- लाईफ़ मिम्बरशिप 4000/-

मासिक
"शुआ-ए-अमल"
(हिन्दी-उर्दू)

"ख़ानदाने इज्तेहाद नम्बर"
दैनिक नक़ीब लखनऊ
और नूरे हिदायत फ़ाउण्डेशन से प्रकाशित
सभी किताबों को डाउनलोड करने के लिए
लॉग आन करें हमारी वेबसाइट

Log on Our Website:
www.noorehidayatfoundation.org,
www.naqeeblucknow.com

पैग़म्बर का आचरण और ज्ञान

elSkukl S ul hj bTrgkhi kfdLrku

जब हम हज़रत पैग़म्बर (स०), हमारे प्राण उन पर न्योछावर हों, की व्यवहारिक जिन्दगी पर नज़र डालते हैं तो क़दम–क़दम पर हमें ऐसे आसार नज़र आते हैं कि हुजूर (स०) ने ज्ञान के प्रचार प्रसार में असाधारण सक्रियता दिखायी है। ऐसा राष्ट्र जो शास्त्रों की प्रारम्भिकी (उलूम की मबादीयात) लिखने पढ़ने से भी महरूम था उसके सामने ज्ञान विज्ञान के सागर बहा के रख दिये और उसका यह असर हुआ कि जाहिल और गंवार अरब ज्ञान से इतना मालामाल हुये कि 'ईरान और 'रोमा' की सभ्यताएं भी उनके सामने मांद पड़ गयीं और इस्लामी पाठशालायें और शिक्षण केन्द्र इतना प्रगति कर गये कि दुनिया भर के ज्ञान के प्यासे इन्हीं केन्द्रों के यश से अपनी प्यास बुझाने लगे। हुजूर (स०) ने अपनी पुनीत शिक्षाओं से मानवता को ज्ञानार्जन की राह पर लगा दिया और प्रत्येक मुसलमान के लिए ज्ञान प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया। चुनांचे हज़रत (स०) ने अपने बहुमूल्य कथन, प्रत्येक मुसलमान पर ज्ञानार्जन वाजिब है'' द्वारा इसकी अनिवार्यता पर मुहर लगा दी और सामान्य मानस में यह बात बिठा दी कि मानवता के महत्वपूर्ण कर्तव्यों में ज्ञानार्जन का वही स्थान है जो मानव काया में आत्मा का है। किसी एक को भी इससे मुक्ति नहीं दी फिर मज़े की बात यह है कि उस के लिए, अवस्था, काल आदि का बन्धन भी तोड़ दिया। फर्माया कि ''बचपन से जीवन के अन्तिम क्षण तक ज्ञान प्राप्त करते रहो।'' नतीजा यह हाथ लगा कि झूले से ले के गोर किनारे तक एक क्षण भी तो ऐसा नहीं जिसमें इस कर्तव्य की अनिवार्यता न रहती हो। प्रत्येक क्षण एक दीनदार मुसलमान का कर्तव्य है कि वह अपनी शास्त्रीय योग्यता बढ़ाने में इतनी सक्रियता दिखाये जो कर्तव्य पालन से मेल खाती हो। क्या मुसलमान इधर ध्यान देंगे?

फिर भौगोलिक हदबन्दियों में भी विशालता पैदा कर दी कि जहां भी तुम्हें ज्ञान मिले चाहें वह संसार के दूर दराज़ भूखण्डों में क्यों न हो, हिम्मत के क़दमों में सुस्ती और भारी पन न आने पाये। ''इल्म हासिल करो चाहे तुम्हें चीन ही क्यों न जाना पड़े'' इस महत्वपूर्ण मानव कर्तव्य की महत्ता हुजूर (स०) ने कदम–कदम पर बतायी है। ज्ञान की लाभकारिता और विद्वानों के मान मर्यादा से आगाह फर्माया है। चुनांचे एक जगह पर विद्वानों को पैग़म्बरों का वारिस ठहराया है। पैग़म्बरों का मिशन भी ज्ञान–विज्ञान का प्रसार था। उनका मन्तव्य भी मानव अज्ञान की अंधियारी के पर्दों को ज्ञान ज्योति से चाक करना था उलमा उनके ज्ञान और यथार्थ के अमानतदार होते हैं। यह इल्मी मीरास उनको पहुंचती है। बेशक यह मांगलिकता उनकी महिमा बढ़ाती है उनकी ज़िम्मेदारियों में भी बहुत बड़ी वृद्धि हो जाती है। तभी वह सच्चे अर्थों में कोषधारी और अमानतदार हो सकते हैं जब उत्तराधिकार के हक को ठीक–ठीक काम में लायें। मानव जाति में पैग़म्बरों से बढ़ के तो कोई और है नहीं और उलमा का वारिस होना बहुत बड़े सम्मान का प्रमाण है जो ज्ञान का ऋणी है। दूसरे शब्दों में यूं समझें कि वास्तव में यह ज्ञान और विज्ञान ही का मान–सम्मान है और उसी की महिमा। हुजूर (स०) के इस शुभकथन का अर्थ है यह हुआ कि मानवता ज्ञान द्वारा ही अपनी पराकाष्ठा को पहुंचती है और इसी के प्रकाशमय दीप से प्रत्येक अंधेरा स्थान प्रकाशित हो सकता है।

हुजूर (स०), मेरा प्राण उन पर न्योछावर, की एक हदीस में आया है कि आप ने यूं दुआ कि, खुदा वन्दा ! मेरे उत्तराधिकारियों पर दया कर'' पूछा गया, हुजूर (स०) आप के वह उत्तराधिकारी कौन हैं? इर्शाद फरमाया, मेरे

खलीफा (पदाधिकारीगण,) जो मेरी शिक्षाओं, हदीसों, आचार–विचार का प्रसार करेंगे और मेरे विचार लोगों तक पहुचायेंगे। "इन हदीसों में भी ज्ञानियों–विज्ञानियों के रूतबे की बलन्दी और महिमा की ओर सूक्ष्म संकेत हैं और इससे ज्ञान के मुल्य–मर्यादा का पता चलता है। मानवता के आखिरी पैग़म्बर के उत्तराधिकार और जानशीनी की ऊंचाइयों को ज़रा सामने रखिए। इसके प्रसंग में ज्ञान की जो महिमा समझ में आती है उसका भी अन्दाजा फ़रमाइये। जरा इन "उत्तराधिकारियों" से भी परिचित होते चलें कि यह कौन हैं? मशहूर हदीस "मैं ज्ञान का नगर हूं और अली उसका दरवाजा" उनसे परिचित कराने के लिए पर्याप्त है। और हज़रत अली (अ०) के इस कथन से कि "हज़रत (स०) ने मझको ज्ञान यूं भराया जैसे चिड़िया बच्चे को दाना भराती है।" पहचान लीजिए, यह अहल–ए–बैत का (अ०) ओहदा है जिनके ज्ञान के सोते पैग़म्बर (स०) के ज्ञान की सरिता से फूटते हैं। जिनकी नूरानी क़िन्दीलें पैग़म्बरी ज्ञान की मश्अल से प्रज्वलित हुयी हैं। पैग़म्बर (स०) के आचार–विचार के के यह मुकम्मल नमूने थे। इन्हीं के दम क़दम से पैग़म्बर (स०) की हदीसों और शिक्षाओं का विस्तार हुआ और यही वह हक़ीकी उत्तराधिकारी (खुलफा) हैं।

हज़रत अबूज़र ग़फारी इस्लाम की एक नामवर हस्ती है। हज़रत पैग़म्बर (स०) के सहाबियों में उनकी एक विशेष महिमा है। उन महिमामयी सहाबियों में से हैं जिनके लिए जन्नत स्वंय उत्सुक है। उनके महिमामयी स्थान का अनुमान हज़रत पैग़म्बर (स०) की हदीसों से होता है। हुजूर (स०) ने आप को सम्बोधित करके फ़रमाया, "हे अबूज़र ! एक घड़ी ऐसी गोष्ठी में बैठना जहां ज्ञान की बातें हो रही हों ज़ियादा अच्छा और अल्लाह को ज़ियादा प्रिय है हज़ार रातें जाग के उपासना करने से। और रातें भी ऐसी कि जिनमें हज़ार–हज़ार रक्अत नमाज़ अदा की गयी हो। और यह हज़ार बार खुदा की राह में जिहाद करने से भी बेहतर है और बारह हज़ार कुरआन के पाठ से भी ज्यादा अच्छी है। एक साल की ऐसी इबादतों से भी अच्छी है जिसके दिनों में आदमी रोज़ा रखे और रातों को जाग के इबादत करे । हे अबूज़र ! जो कोई अपने घर से कोई शास्त्रीय प्रश्न सीखने का इरादा करके निकलता है या ज्ञानार्जन के लिए प्रस्थान करता है उसे प्रत्येक पग पर जिसे वह उठाता है एक पैग़म्बर का सवाब मिलता है और बद्र के शहीदों के समतुल्य हज़ार शहीदों के बराबर बदला मिलता है। प्रत्येक अक्षर जो किसी आलिम से सुनता है, ग्रहण करता है और लिखता है उसके बदले में उसे स्वर्ग में एक नगर प्रदान किया जाता है। एक विद्यार्थी की इससे बढ़के क्या मांगलिकता होगी कि अल्लाह उसको दोस्त रखता है फरिश्ते और पैग़म्बर उस से प्रेम करते हैं। इतना ही नहीं बल्कि हर शुभ और मंगलमयी व्यक्ति उस से प्रेम और स्नेह का सम्बन्ध रखता है। विद्यार्थियों के सौभाग्य का क्या कहना! ज्ञानी के चेहरे पर नज़र करना हज़ारों गुलाम मुक्त करने से अच्छा है। ज्ञान प्रेमी के लिए बहिश्त (स्वर्ग) वाजिब हो जाती है। एक ज्ञान प्रेमी ऐसी दशा में सुब्ह शाम करता है कि खुदा की खुशी उस पर छायी हुई होती है। वह इहलोक नहीं त्यागता मगर यह कि उसे "कौसर" के पेय से तृप्त किया जाता है और उसे स्वर्ग के मीठे और पाक मेवे और फल खिलाये जाते हैं। मरने पर क़ब्र में उसे सांप बिच्छू नहीं खाते, उसका शव कीड़ो–मकोड़ो की खूराक नहीं बनता। जन्नत में वह हज़रत खिज़्र पैग़म्बर (अ०) का साथी और सहचर होगा।"

इस सर्व ग्राही हदीस पर विचार करें और कुरआने हकीम के शब्द "खैर–ए–कसीर" (नेकियों की बड़ी दौलत) को सामने रखिए, आप को मालूम होगा कि वाक़ई तमाम भलाईयां इसी से पैदा होती है और सब नेकियों की मुख्य जड़ यही ज्ञान है।

●●●

bLyke vkSj ubZ lkbUl ka dh f'k{kk

MkW ekSykuk l,;n dYcs lkfnd+ lkgc

djhqkuseth ne usbUlku dh lf"V dk mn~ns'; **¼f[kykQr dk edlnn½** mi'kluk ;k bcknr crk;k gS A xjt+ ;s vkSj mn~ns'; viuso lk;y ;k lk/kukaa l scyUh vkSj cgqq Åpsgkssg A bl fy, bLyke esa bcknr dk tkserZk vkSj LFkku gSog Li"V gSokftc ~gA exj tc [kqkuso rZku ih<+h dstud gtjr vkne dksi Sk fd;k rks ,v yku fd;k fd] **^esa tehu ij ,d ^[kyhQk** ** ¼izrfuf/k½ cukus okyk gw¡*

bl voljij fQfj'rkausf**[kyhQk+sbykfg;k** ¼bZojh; izrfuf/kRo½dsfy, viukgd+vkSj vf/kdkj trkusdsfy, viusl n~qk **¼flQrsdeky½** ds:i esa **^mikluk**** dksi s'k fd;kA m/kj nwljh rjQ+ls vkne dk l n~qk **^Kku**** is'k fd;k x;kA vkSj fQj og bcknr **^tkslf"V dk mn~ns'; ;kuh f[kykQr dh xjt+ gS*** bYe vkSj Kku dseq dkcys seavkbZrks okLrfod mikL;] gdhd+ eLtw usfQfj'rkadksgDe fn;k fd] **^rqlc vkne dsleus lTns esafxj tkvks*** ;kuh bcknr lsbYe dk$ miklukl sKku dks lTnk djk;k x;kA

djhv ku ustS k fd crk;k gSvkSj **^ekl wfu**** ¼fu"iki egkiq"k½ ds'kqkk dFkukaeaik;k tkrk gSfd lf"V dhQoLFkk dkl pkyu Qfj'rsdj jgsgSA tehu dkpDdj] pkn dsQsjs ijwk lkSe.My fQj tehu ij gokvkacjlkrkaigkMka iMka tkuojkavkSj bUlkuka lseqv fYyd+l Hkh **^rdehuh mejw*** ¼"VkRed dk;Z½ Qfj'rkadsghgkFkkav Ut ke fn;stkrsgS fucVk;stkrs gSA cfYd dN ,sh QkW;k;srk'kj~hgaefeyrh gSftul s urht k fudyrk gSfd l"VkRed 'kfDr;kadk ghuke **^Qfj'rs*** gSA bUghaQfj'rkal sl tnk djkdst S scrk;k tkjgk gSfd cãkaM eadkj Qj+ek;dk;Zkyd 'kfDr;ka dkfl j >qdkuk gSrks ^Kku* ghdklgkjk ysaA

djhv kusetm dh crkbZdoy bl h ,d ?kVukl sbLyke esaKku dhegRrk dkv uqeku fd;ktk ldrk gSA

gqTkwj iSEcj ¼l0½ij tksigyh ^oâ;* mrjhml dh 'kq vkr ^bdjv ~ ¼<ks½ lsgksh gSA oâ; fQj vkxs c<+h gSrks ^bYe vkSj dye** gh dk mYYksk gks k gSA gt jr iSEcj ¼l0½dsijyks okl dkle; iz% vkpqk gSA equyekukadksl Eck/kr djdsgqTkwj ds eqkkfjfoUnql sfudyusokysvfUre 'kCn Hkh oghagS ftuesa ^dye** vkSj ^fdrkc** dhppkZgSA ;g jgh bl Ykke dh 'kqvkr Hkh dye lsvkSj bfUrgk Hkh dye ijA

djhv ku lsxqj dstc ge gnhl karcd igqprsgSarksigyh gnhl tksl keusvkrh gSog ;ghgS fd] **^Kkukt Z** ** i zR;sd equyeku enZvkSjr ij okftc gSv FkkZ~ vfuok;Z drZO; gS**

vke rkS lsekyw gSfd bLyke dh dqN mikluk;sadoy enkaZij ghokftc gSvkSjrkaij ugha tSl& ^ftgkn** dsju esavkuk enkaZij okftc gks ldrk gSvkSjrkaij ugha tqes dh uekt+esa'kjhd gksuk enkaZij okftc gSvkSjrkal sl kfd+ gS;kuhR;kT; gS A ysdu **rycsbYe** ¼Kkukt Z½d ,sk drZO; gS ftl esafy axrkd sHksn lsdksbZvUrj ugha iM+kA ;g tS s enkaZij okftc gSoS sghvkSjrkaij Hkh okftc gSA

bLykehmikl ukvkadsl e; fu;r gSa uekt+ dkoDr fu/kkZjr gSA bu [kkl vodkr ij uekt+dh vnkbZgkstk;srksfQj nwjsl e; esauekt+okftc ugha jgrhA jkst+cl jetku dseghusesaokftc gSA gt doy thfgTtk dh [kkl rkjh[kkaeaghgksldrk gSA fQj iR;sd mikl ukcky x+;kuh/keZkkL= dhnf"V ls o;Ld gksusij ghokftc gksh gSml lsigysugh A ysdu Kkukt Z dscky seagqTkwj iSEcj ¼l0½dhtks nwjh gnhl lkeusvkrh gSog ;g gSfd] **^Kku ikyusl sdczrd cjkcj vftZ djrsjgks***

urht k ;g fudyk fd iR;sd mikl uk dk

l e; fu;r gSi j Urq Kkukt Z dsfy, dkbZ oDr fu;r ugha u bl dsfy, dkbZ vk;q v oLFkk dh dS n gS v kS u ekg v kS l ky dk i zfrcU/kA t c r d ft ank jgks Kku v ftZ djrs jgks bYe gkfl y djrs jgksA

dqN mi U; kl dkj fufn"V LFkku [kkl t xg i j gh v ka ke nh t k l drh gSa gt dks cl eDds v kS ml ds bnZ fxnZ ds dqN LFkkuksa i j gh v ka ke fn; k t k l drk gS dgha v kS ugha exj Kkukt Z ds fo"k; ea jl wy l0 dh rjhj gnh l keus v krh gS ^^Kku v ftZ djks pkgs rqEgsa phu rd ghtkuk iMs** bl gnh uscrk; k fd ^^rycsbYe** ,d ,sh bcknr gS Kkukt Z ,d ,sh mikl uk gS ft l ds fy, fdl h t ehu dh i kcUnh ugha l ka kj ds ft l [k.M ea feys t kdj ys ys yksA

dqN og bcknra gSa ft uds ct kykus ea ge nwl jka ds egrkt gSa ; kuh mu i j fuHkZj gSa t ekv r ls uekt +ge rc rd i <+ l drs gh ugha t c rd dkbZ i <kus okyk u gksA v kS bl ea Hkh 'krZ yxh gqbZ gS ft ue a l sdqN ; g gS fd uekt +i <kus okyk eqyeku eksfeu gks] eLkv yka l s v oxr gks] ud &i gsZ xkj] l a eh gksA exj jl wy ¼l 0½ dh pkSFkh gnh l keus v krh gS ft l ea mYys[k gS fd] ^^bYe o fgder] Kku&foKku eksfeu dh [kksbZ gqbZ iwath gS] bl fy, bl s og t gk¡ i krk gS ys ysrk gS** ; kuh Kku&foKku v ftZ djus ea nhu&/keZ dq¶&bLyke] fo'ol uh; rk] HkzZVkpkj dk Hkh i zfrcU/k ugha fgUnw l s feys] bZ kbZ l s feys] ; gwnh l s feys ys ysyksA

bu 4 gnh ka dk l kjka'k ; g gS fd bLyke dh f'k{kk ea Kkukt Z ,sk t +nZr v kS gekft gr t +jh Q;t+ ; kuh ,sk i zy v kS l okZ hk v fuok; Z drZ; gS ft l ea u fyax dk i zfrcU/k gS u v oLFkk dk u l e; fu;r gS u nsk fufn'pr gS v kS u t kfr &/keZ dk cU/ku gS exj v pjt gks k gS fd ft l /keZ ea Kku i j bruk cy fn; k x; k Fkk ml h ds ekuus okys v kt Kku ds {ks= ea l c l s i hNs gSa

bl Hkfedk ds ckn v kb; s v c ; g ns[ksa fd bYe v kS Kku i j t ks ; g t ks fn; k x; k gS rks bl bYe l s eqjkn Kku l s v fHkik; dkSu l k Kku gS! gks l drk gS fd l h d ks l s v kokt +v k; s fd bl l s fl Q Z bYe snhu~ ek= /keZ Kku eqjkn gSa ; kuh bl dk v fHkik; d sy bLyke 'kkL= l s gSa e Sa bl dh rjnhn bl dk [k.Mu ugha d: xk A y sdu ; g t okch l oky t +j d: xk fd bLyke dqjv ku v kS gnh dhu l ; kuh Li "V dFku ds : l sy ks&i j yks nksuka ds dY; k.k ds fy, v k; k gS ; k ek= i j yks ds dY; k.k ds fy, \ ; g doy efLt n dk /keZ gS; k t hou i fj {ks= dk Hkh\ bl dk mRrj cl ; gh gks k fd bLyke yks &i j yks nksuka ds fy, gS v kS bl dk dk; Z{ks= efLt n l s fudy ds t hou i fj {ks= r d gS t c ,sk gS rks fQj bYe snhu~ /keZ Kku dh i fj f/k l s HkkSfrd Kku dks d S s fudky k t k l drk gS

fea j] ehyku&efTyl ds ep i j v kus okyka dk d rQ gS fd og ; g ckr l e> ya fd mu dh rdZ k dh dkbZ gS h; r ugha j grh] v xj eku uw dk dFku ; k dj v ku dh v k; r mudh rdZ k ds fo:) t krh gS bl fy, eSk d rQ gS fd bl rdZ k dks eku uh u ds l nkpj.k v kS dqjv ku dh v k; rka l s feyk dj ns[k yw fd eSa hrdZ k dks ogk; l si q'V fey jgh gS; k ugha\

gekjs i kpo s bee gt jr eks cfd j ¼v 0½ dk t ekuk gS v ki dk l ed kyhu mecoh ckn'kkg fg'kke fcu v Cny efyd FkkA bl fg'kke dks v ki eke ywh j kt k ; kuo kc u l e> aml dh gdwer ml oDr dh ^l qij i koj* Fkh ft l dk ,d fl j k ; wuku ea Fkk nwl j k fl ak ¼t ks ml l e; Hkkj r ea Fkk½ ea A bl ckn'kkg dh jkt /kkuh nfe'd +FkhA bl us ckn'kkg cuus ds ckn fgt kt +dh i zk h; jkt /kkuh enhu s ds nkS s dk i ksxke cuk; kj jkT; iky }kj k t ks nkj Lokxr dh r ,; kfj ; k¡ gqbZ cgq 'kkunkj nj ckj l t k; k x; kA ckn'kkg l s feyus ds fy, jkT; ds dks&dks s l s d +hy ks ds i zeq[k v kS ukeh yks v k; sA exj gt jr beke ckfdj ¼v 0½ enhus ea r 'kjhQ +j[kus ds ckot w ml l s feyus u gha x; sA ckn'kkg dks v k'p; Z gqv kA jkT; iky l s i wNk fd l c v k; s exj eksgEen fcu v yh ¼beke ckfdj+ v 0½ eq> l s feyus ds fy, ugha v k; s jkT; iky us crk; k fd mi l uk ds l e; ds v ykok mu dk v f/kdrj l e; eqyekuksa dh f'k{kk ea yxrk gS bl fy, mudk v iuh ft Eesnkfj ; k¡ NksM+ ds v kuk eqf'dy gS ckn'kkg us dgk eSa Hkh ns[kuk pkgrk gw¡ fd og D; k i <krs gSa t c i rk pyk fd beke ¼v 0½ gt jr i SEcj ¼l 0½ dh efLt n ea eqyekuksa dks i <k; k

djrsgSa rkscKn'kkg efLtnsucoh eaa vk;k vkSj ,d LrEHk lsyx dscMh+ nsj rd lqrk jgk fd beke D;k i<+k jgs gSaA tc ml dh lek> eaa u vk;k rks mlus iwNk fd] **^^vki D;k i<+jgsgSa** beke usQjek;k fd] **^^eSa eqy ekuka dks bYe&,&gS;r ¼u{k= Kku] ASTRONOMY½ vkSj tqxjkfQ;k ¼Hkwxksy½ dk ikB i<+k jgk gw¡A**

,d ekSdk ij beke] iSxEcj dh efLtn ,sls ifo=re LFkku eaa mids vuq;k;h dk Zn'kZ jk dke dj ldrk gh ugha gSA blfy, beke ¼v0½ dk iSxEcj dh efLtn eaa **^^ekMuZ lkbal**** vkSj vk/kqfud foKku] dk i<+kuk bl ckr dk izek.k gSfd lkbal +dk i<+kuk gjke] oftZ ugha cfYd ,sh eqLrgc ckr] iqhr mik'kuk gS ftlsjlwy dh efLtn eaa cktk;k tk ldrk gSA

eSa blls igys dh efTyl ksa eaa vLVªksukWeh] bLVªkQfthDl] Tkwyksth] ft;kykth] lkbdkykWth vkfn ls lEcfU/kr iqhr beke ksafo'ksk dj gtjr vehy eksfeuhu ¼v0½ ds vkp;Zud lR; dFku iSk dj pqdk gw¡ ftudk erycml oDr okysle> ghu ldrsFksA vc tkdsle> eaa vkuk'kq gqvk gSA bu lnd Fkuksals;g ckr fl) gkstkrh gSfd bu gtjkr dsikl eksStwn lkbal +dkHkh tehnZr Kku FkkA izu ;g mBrk gSfd ;g Kku mudsikl dgk¡ lsvk;k\ fdlusi<+k;k\ ml tekusesabu lkbal+dk tkuusokyk ghovgk¡ dgk¡ Fkk tksbudksi<+k!tokc ,d vkSj ek= ,d gSfd [kqnk usi<+k;k] blgksusi<+kA ;kuh ftu lkbal+dk i<uk gjke crk;k x;k og ,sh vfuok;Z vkSj iqhr Fkhafd [kqnk i<+k gSvkSj ekSyw beke i<+k gSA

vc ,d utj gekjh ikB'kkykvksa eaa i<+k;s tkusokysikB;~Øe ijA nhuhenkfjl] /kkfeZd ikB'~kkykvksa dh Åph d{kkvksa eaa i<+kbZ tkusokyh fQ+d+g] **mlwys fQ+d+g]** rQlhj vkSj gnhl dksikfjHkkf"kd :i lsbYes nhu] /keZfo| kdgk tkldrk gSA exj D;kbu d{kkvksa eaa vjchlkfgR; ughai<+k;k tkrk\ bl vjchlkfgR; eaabejv y dS dkizz jl okykdkQ vkSj vcwqkl dhl iqk fo"k;d dforkHkh eq si<+hi Mh+FkhA bLyke iwoZdky dhrog~gq ijLrh vFkkZ~fujk/kkj vkSj

dkYifud ckrksaij fo'okl] dksHkh i<+k iMk+FkkA bLyke rks,sh 'kk;jhdk izy fojks/kh gS ij Urqgekjs /kkfeZ ikB;~Øe eaa;g lc 'kkfey gSA bldk tksdkj.k crk;k tkrk gSog Hkh Bhd gS A budksbl fy, i<+k tkrk gSfd vjchHkk"kk vkSj egkojksaij vf/kdkj iklr gksA rkfd ge dqjvku vkSj gnhl ds'kCnksadksft+knk vPNs<x lsle> ldaaexj ftl rjg dqjkZu ds'kCnksa dksvPNsrjhdsij le>ktk ldrk gSvjch lkfgR; ij vf/kdkj iklr gksasls;\$ oSsghvkt ds;q eaa dqjvku vkSj gnhl dh 'kkL=h; xgjkbZ;ksadkscgrj <x lsle>ktk ldrk gS\$u;sfoKku vkSj lkbal+ij vf/kdkj iklr djuslsA

bl FkkWfl+foLrkj dsckn vkb;sdqjvku dks nsf[ksa dqjvku etha eaatxg&txg ppkZgSfd nfj;k] leqzgok;\$ iFoh] pkan] lwjt ;g lc bZ'oj dsfy, oaaHkh Hkwdj fn;sx;sgSa fQj ;g Hkh bj'kkn gqvk gSfd [kqnk vkSj jlwy ¼v0½dsckn nqfu;k eaaopLo] 'kfDr] lRrk vkSj lEeku bZekuokyksadk gd+ vkSj mUgha dk fgLlk gSA ;g nqfu;k dkj.kksadkykd gSA gj xUrQ dh ,d jkg fu/kkZfjr gSA vkt ds;q eaatehu vkl eku ij vf/kdkj] lkaLdfjd opLo vkSj fu;U=.k] lEeku vkSj lRrkmlhtksftrdksikIr gkslidrhgSftldsikl nkSyr vkSj lkbal+vfQ+ukSYkt gkS tksvk/kqfud Kku eaalclsvkxsgksA gfj bPNkgSfd eqyeku viekfur gksdj u jgsabTtr+nkj cu dj jgsA nkSjksadsegrkt] vkfJr gksdsu jgs] nkSjksalscyUkx] fuLi gksdsjgsA ;g lEeku ;g cyUkx iu vkt ds;q eaa/ku] foKku vkSj VsDukykWthdsfcukmiyC/kughagksldrkA blfy, gfj bPNk dhifrZdjukgSrks/ku dekukgS\$ lkbal vkSj VsDukykth eaavkxsc<+kgSA

exj eqyekuksadsikl Kku dhdeh] urht k ;g gqvk fd nqfu;kdkKku mudsikl D;kgksk [kqn mu nksuks'kCnksadsvFkZ;k Hkh mudksugha ekywe tks mudhtehu ij tkjhjgkdjrsgSa mu dsdkuksaeaa **^^Tkqn**** ¼gZ+kjk½ dk 'kCn iM+x;k rksmUgksas mldk vFkZlU;kl le>kA lU;kl dksZ lkdjkRed pht+ugha ,d udkjkRed pht+gS **^^Tkqn**** dk vFkZ lU;kl ughaQ+dhjhughafu/kZrkughA ufLr vkSj eu

ij fu;U=.k gS ftlsvius eu ij fu;U=.k ikus dh rkdr gksx;k ml dk 'kks"k.k bfLrâlky (Expliotatation) ugha fd;k tk ldrkA ml dh det+ksjh lsykHk mBkdsml s Xkqyke ugha cuk;k tk ldrkA Tkks èn dh rkdr ij Hkjksalk j[krk gS og dHkh fdlh dk Xkqyke ugha cu ldrkA Tkks èn ;g dgsfd] ^^Tkks èn o rd ds ikl] lc vki ds iSjksa ds uhps gS ij vki dh iwtk djsa] ftUgs vki pkgsa T;knk nsa vkSj ftUgs pkgsa de nsa** Xkq:th vkSj fu/kZu rksa lsXkqyke ughsa cuk;k tk ldrkA Tkks èn* lsXkqyke ugha cu ldrkA

ijUrq;kn j[k;sfd lRrk vkSj lEeku rc ikus gksrk gStc /ku dslkFk Kku Hkh gksijUrqKku gh u /keZ vfHk'kki vkSj vieku cu tkrk gSA

vejhdk es;gwnh 3 izfr'kr gSA ;gwn;ksa ls mudsvkpj.k dsdkj.k ?k`.kk gSA exj ckr lkQ djd lRrk dh gSA vejhdk es;gwnh 3 izfr'kr exj b.Vj usluy cSad ij dCTkk mudk] b.Vjusluy iz ij dCt+k mudk] vejhdu ykchij dCt+k mudk] vejhdk dsjk"Vªifr ij vf/kdkj mudk] gn ;g fd cgqr ls eqlyeku] c<+sp<+sjktuSfrd usrk Hkh inZdsihNsmuds gkFkksafcdsgq gSA gt+jr+keqlyeku dHkhdHkh gksrk;s;gk; U;w+ehfM;k es pp kZ rd ugha,d ;gwnh ej tk;srks eqnrksa ml dk ekre gqvk djrk gS;g lc D;ksa ek= bl fy, fd og fxurh ds gSa ijUrq nkSyr vkSj Kku nksuks ij mudk ,dlkFk vf/kdkj gS tc nkSyr vkSj Kku lkFk gks ts gSa ;gwnh mHkjrs gSa tc /ku] vKku dslkFk gks rks lÅnh mHkjrs gSA bu dsikl bTtr+ gS muds nkeu es ft+Yyr A budsikl 'kfDr gS muds ikl ekFkk fVdkbZ lÅnh vkSj nkSjsvjc 'ks[k+ ft ruk/ku vius xq# bLyke h cfYd bLyke dks cnuke djus okys Hkkx foyk ij [kpZ djjgsgSA vxj ml dk vk/kk fgLlk Hkh nhu;k ds fu/kZu eqlyekuksa ij Q; gksa syxsrks u dksbZeqlyeku Hkw[kk jg tk;sxk u cs?kj jg tk;sxk u vui<+ jg tk;sxkA

eSa vt Z djuk gkrk Fkk fd ^^Tkks èn o rd ds** Q dhj hugha gS Q dhj h l sn q+kpj.k tUe ysrk gS Q dhj nkSjkas dk nkl cu tkuk gS ^^Tkks èn o rd ds** cs U;k rh cy kr gksrs dkuks e gS LorU=rk dkuks e gS eu ij Hkh ijfu;U=.k dkukss gS bLyke vxj vkt dks Q dhj nsfkuk pkgrk rks tgk¡ tgk; ^uekt+ i<+ks*^ tdkr nks*] vk;k gS bu lc txgksa ij ^uekt+ i<+ks* ^tdkr ys*] vkrkA bLyke iSxEcj uekt+ dk gkFkÅ ij nsuk pkgrk gSA fdlh uekt+ dk gkFk uhps ugha nsuk pkgrkA

cgjgky bTtr+ vkSj 'kfDr iSnk djus ds fy, Q dhjh vkSj vKku dk feVkuk t:jh gSA bl dks feVk;s fcuk u vki bTTkr gkfly dj ldrs gSu 'kfDr A vYi la[;k esa gks us ls dksbZ gkfu ugha gksrhA tkgy vkSj xjhc gks us ls eqlhcr sa vkrh gSA

NksVh+s;gwn;ksa dk ?kks Lo;a viuk bfrgkl nsk yks esa bl oDr+ cl vius lEinz; dsyksxksa ls ckr dj jgk gw¡ fgUnqLrku ikfdLrku esa bl oDr+ vki dj kSM+ks dh la[;k esa gSa exj lp iwNsa rks u bTtr+ gS u lEeku u jktuSfrd vf/kdkj l qjf{kr gSu /kkfeZd A exj eqlyeku dky e]sa vdcj ds;qx esa vki dh rkdn lEHkor% de Fkh ysfdu gtkjksa es jgh gks 'kku ysk[k Hkh u jgh gksA ysfdu ml oDr+ dsv[kM Hkkjr esa vki ds ikl lEeku Hkh Fkk vkn HkhA vki ckn'kkg u Fks ysfdu ^^ckn'kkgxj** ckn'kkg cukus okys dgs tkrs FksA D;ksa \ cl bl fy, fd la[;k de Fkh exj Kku vf/kd Fkk le> ft+;knk FkhA izfrHkk vkSj cqf) vf/kd FkhA

eSa vki dks lpsa fd;s ns rks gwnfd vki dh vkus okyh ihf<+;k¡mPp f'k{kk ikus dj dsjgsa hpkgs fgUnqLrku esa gks ;k ikfdLrku esa ;k nqfu;k ds fdlh fgLls esa vxj vki us mudh f'k{kk esa :fp u yh rks bZ'oj lsFk;a mudksi<+k nsxhA xq# eqLye lsBu mudks i<+k;sxsa bu ifjfLFkr;ksa esa og i<+rks tk;saxs ysfdu bl ds ckn t:j lksp sfd mudh tkfr u;s muds /keZ us mudk D;k fn;k ;kFkk \ vKku] fiNMk+uk bZ'ojks ;gwn;ksa us vkSj xq#vksa us mudks D;k fn;k Kku vkSj izfrA bu ifjfLFkfr;ksa esa vxj mudh oQknkfj;k; bLyke lsl ekIr gks tk;a vkSj og xq#vksa ds ifr fu"Bkoku cu tk;a; k bLyke dks NksM+ dsnwljs/keZxg.k dj ys]a rks bl ds fy, Hkh vki dks [kq kdhckjxkg es miRrjnk;h gksuk iM+sxkA

vkt dkfu;r le; lekIr gS bl fy, el k;c dsftØ lsigy scl brukvtZ djnwfd gt jr vyh fcu vchrkfyc us Q jek;k gS fd] ^^eq"; ½cfd;k is u0 12 ij]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]½

gtjr+r beke glu vLdjh ¼v0½ dh 'kgknr

rkSghn idk'ku Q,oLFkk

ge ;sv tZu ghadjuk pkgrs fd vxj gekjs vbEe%&,&eklwehu ¼v0½ dks ekSTkwo eqkfl c ekgkS ea gdwr s bykfg;k dh ljcjkgh dk ekSdk fey srks og gtjr+kr bl lsbadkj QekZ st c gtjr+r vehjy ekseuhu ¼v0½ dks gkS %&,&bLykfe;k dh ftvkeer dk ekSdk+ dkfcysdqyw gkyr eafeykrks gtjr+r usbl ckj dks viusnkSskij fy;kA ;suQr%[kkl rkS lsiSksutjr+ j[kusdh t+jr gSfd fclkrsgdwr ij cgjrkS tes jgusdh reUuk eagtjr+r usdghaij eqkygr ;k eqjOor lsdke ughafy;kA

flCrsvdcj gtjr+r beke glusemqrckdh cSr vke rkS lsgqZrksvki us[kqknkn beker ds lkFktkfgjhfl kykO+ dhftEeskfj;k;Hkh dqyw Qjekbz ysfdu tc ;seqykgt+kQjek;k fd [kqyw j[kusokys fn;kurnkjkadh tksrknkn gSml dslgkjsgdwr sbykfg;k dklj vtake eqEdu ughark slkg QekZ dstkfgjh gdwr lsnLr cjnkj gh ughagksx;scyfd nkjy f[kykQ%dQs+dk fd;+ke rdZQekZ dsenhu%&,&ucoh dkseqkt vr Qjekbz vkS ogk;vgywsavgyscS dh rkyhe o rCyhx+dsfy;snlZkg dh fcukdhA ukgd+ dkskbl eaHkhequkfge gq cfYd egYykrhlkft'kds tjhvsgtjr+r dh ftUnxh dk pjkx+gh [kkeksk dj fn;kA

gtjr+r l¸;nq 'kgnk flCrsvolr beke ghqS dkstc viusekerenlQj dsi;ke lsirk pykfd dQs+okykadh dkfcysfygkt+rknkn cSr ij vkeknk gSrksgtjr+r usogkatkusdk dLn Qjek;k ysfdu vLuk&,&lQj eaukxokj bfRryk vafeyuk 'kqv gqbZfQj bCus ft;+kn dk fQjLrknk QkS hnLr% eqkfge gq krksgtjr+r dQsdslQj+ lsckt+jgA

bu gkykr dkequkgnkbl urhtsij igqprk gSvxj fdlh beke ¼v0½ dkseksdk feyrk rksnfq;k dhrkjh[k+jlwy ¼l0½ vkS vehjy ekseuhu dsckn

,d ckj fQj bLykehgdwr dh 'kku n§krh meohka dsbfTe+gyky vkS vCokfl ;kadsrgyw dsnkS eagekjs ikpoosbeke ¼v0½ dksekSd%feykrksgtjr+r usvgys cS dsev kfjQ+dk bgfreke Qjek;k vkidsQjtUnh o tku'khu gtjr+r beke tkQj+slkfnd ¼v0½ dsnkS ea ;snlZkg vkS olhv o cylUn gqbZgekjslokn sv kte+ pkj bekekaeanksbl eDrc&,&QS +dsijonZgS meohv Cckl hpidkfy'kdsbl nkS eagtjr+r lkfnd ¼v0½ pkgrsrksbykghekpkZv yx dk;e djrsysfdu ,Sk dq Hkhu ughagq kfd bLykehgdwr dsfd;+ke dh ftnov tgn~dsfy;sgkykr lkt+kj u FksA

ysfdu bu gtjr+kr dhijwhdkS'kklhjrks :gkuhbfDr+nkj oDr dhgdwrkadsfy;scgn [kkQ+kd pht eaFkhgj pUh vbEe%&,&eklwehu uTe o ulds gdwr eadkbZ eqk[kyr Qjekrs Fks ysfdu vkEe%rq&ukl dsdqyw dk bu gtjr+kr dhrjQ+ eSyku gdwr dsfy;slgkus:g o vUnsk%&,&tk;cuk jgrk FkkdHkh>wBh nkSrhdsinZeadHkh [kqYe&[kqYyk nqeuhbf[r+;kj djdsbu gtjr+kr dslk;%nkj 'ktjs g;kr dksdkV Mkyukghmudkegcwc eDl+n FkkA

gtjr+r beke glu vLdjh ¼v0½ dhftUnxh bYehdkjukekalsHkjhgSysfdu gtjr+r dhtkr sbLer iukg lsnks,Sdkjukeatqjwr eav k;sfd ftlusvgys dfye%eavkidh/kkd tekrhckfry ijLr bfDr+nkj dksHkykbldkrgEeqy dgkA nwljsokfdv+sdsckn rkrs tEr u jghvkS gdwr tku ysyasijmrj vkbZ

igykokfdv%;sgSfd ml oDr dsvtke QYlQk+bLgkd+fcufdUnhdks'k;rku usmaxyhfn[kk;hA rksokndqjvku ikd dsequkfdtkr ¼ijLij fojksh ckrksa½ dh [kkst eayxx;kvkS ,Shvk;rsatEv djusyxkftUgsaokSxjsy+r Qgehls,d nwljsdsf[kykQ+ le>rk FkkA ml us^^rukdtqy dqjvku ukehfdrkc fy[kusdkMkS Mkykgtjr+r dksirkpykrksequQDdj

ggA gbusbfRr Qkd+l s,d fnu fdUnh dk,d 'kkfxnZ gkftj+sf[kner gq k beke ¼v0½usQjek;k fd dkbZ ,sk ughagSt ksfdUnh dks;sfd rkc fy[kus l sckt+j[k l dseq;kdkrh usv tZdhekSykge 'kkfxnZkseayc dqkkbZdhetky dgkA gtj+r usQjek;kt kseSacrkmW; D;kml ij vey dj l drsgks\ mlusvtZdhth gk;srksgksldrkgSbeke usQjek;kfd igysmldh [kkv f[kner djds[kkyhrd:Z iSnkdjksA tc oks rqel s[kq'kgkst k;src dgksemqs,d b'dky gksjgkgSA vkiblsnfj;kQr Qjek nsAtc mldhbtktr+ nsnsrks dgksvxj dgu vkudkeqdfYye vkidh f[kner ea blsyk;srksvki eqjknseqdfYye ykfteh rkSj ij le>ysa\ vkidkle>kgqkeryc vkSjeqdfYye dheqjkn dhvhrkSj ij ,d gkshgLgkd+usdgkugha f[kykQ Hkhgksldrkgsrks'kkfxnZusdgkrc rukdqtZ dgvku fy[kusl sQk+nkD;kgSA fdUnhusdgkt j+k viukb'dky fQj nkgjkvks'kkfxnZusfQj c;ku fd;k fdUnhdkNlkpusyxkvkSjdgkrEgsdhe gSlplp crkvksfd ;sbv frjkt+rEgsafl[kk;kfdlus'kkfxnZus vtZdhmLrknsckqZxokj ;s[kkfne dsghtegu dhmit gSA bLgkd usdgk ^;seSgjfxt+u ekuwkrq yks dgk;vkSj ;sbv frjkt+dgkj lp dgks;sfdlus fl[kk;kgS\ 'kkfxnZusvtZdhgqtWwlp rks;sgSfd eqsbeke glu vLdjh¼v0½uscrk;kgSA bLgkd+us dgkvc rq <j+Zij vk;sgksA ;suQrscl [kkukt kns ucwr dsghcl dsgSA fQj mlusvkx esaokbZvkSj tksfy[kki<k+Fkkl c tykdj [kkd dj fn;kA

¼gekjh rkjh[km 1 tqykbZ 1999 i`s u0 2 l½

● ● ●

jqckbZ

nsyysfgUn ekSykuk Qj+tUn gqlSu tkSf[kj bTrgknh

vgen dkstksvYykg us'kkgh nsnh
gj pht+ mUgsa rk egks ekgh nsnh
'kd yk;stks,tkt+uch esa dkfQj+
egrkc us nks gksds xokgh nsnh

● ● ●

¼cfd;k i`s u0 10 dk]]]]]]]]]]]]]]]]]]]½

ftl ckr lsvufHkK gksk gSml dk nqeu gks tkrk gSA** brusv PNs<a lsu lghexj ;g ckr vaxst+heaHkhdghaxbZA Fair of unknown og Mj tksfdlhpht+dsckjseatkudkjhu gksusl sisSnk gksk gSA [kqghckr gSfd ^^Mj** nqeuhrd igqpk fn;kdjrkgSA

esaigysdsviusf **^^myek**** dhlokvka vkSj Kku dkd+nzkagqwvkSjgqpkA exj bl dnzkuh dsckotw eqsigysdsvkfyekavkSj ekSnkvkfyeka ls;g fxykvo';gSfd og leL;kijrc fopkj djrsgSatc og lEeqkvkdj [kMh+gkstkrhgSvkSj okjkavkSj ls?kaSj yshgSA dke ,sl sughapyxkA leL;kvkusl sigysmlds**eqekjkr** ¼fufgrkFkZ½ij fopkj dj ysukpkfg, vkSj mldkfunku lkp ysuk pkfg;sAl eL;kQV iMh+hgSrksQSyusfpUru lsugha ?kcjkgV lsgkssgSA

cgjgky lkbal dk;q 'kq gqkrksml oDr dsvkfye lkbal lsvufHkK Fksblfy, mlds fojks/kh gksx;sA vkSj lkbal ,oav/kkfud Kku ds fo:) QrHksNi x;sA bl dkHkkqrku gekjklekt; vHkhrd Hkqr jgkgSA lc vkxsfudy x;sge ihNs jg x;sA

exj tksxyfrhml oDr dsnhuhvkfyekaus dhFkhoghavktdy dslkbalnkadj jgsgSA og lkbal lsvifjfpr FksmUgksalslkbalds/keZdknqeu ekukA ;getegc lsvufHkK gSblfy, ;g /keZdkslkbal fojks/khekursgSA gkykfd u /keZlkbal fojks/khgSu lkbal/keZfojks/khA ;g ,d nwljsdhiwfrZdjrsgSA ;g nksukafey dstho eal UrquL cukrsgSA lH;rkvkSj laLd`fr dhrjD+Qh xkMh+eal kbal dhgSl;r ,Dl hyVj vkSj ifg;kadhgSftlsxkMh+eaxfr vkrh gSA etgc dhgSlhr cd vkSj fLV;fjax Oghy dhgS tudsek/;e lsnQkZdukvksal scpkt krkgSvkSjlgh fn'kkea;k=kgksrhgSA lkbal u gksrksge fldqM+ tk;sa}etgc u jgkrksge QV tk;saxsA

● ● ●

bLyke dsbfrgkl eagtjr vyh ¼v0½ dk LFkku

MkW lS0 vkfcn gqlSu lkgc

vyh] v ekes&euv Lrkseue x+sj kes vyh
gt+kj t kus fxjeh fQ+nk, ukes vyh
vyh eqjs beke gS esS mudk nkl gw¡
gtkj+ cgeW; ikZk mudsuke ij U;kSNkoj gw¡

vehry eksfeuhu gtjr vyh fcu vchrkfyc bLyke dsbfrgkl eafof'k"V vkSj vnHkqr LFkku j[krs gSA tksvki dkspkj fof'k"Vrkvkadsdkj.k feyk gSA

,d rksvki dkscpiu lsviusppsjsHkkbZ bLyke dsiSEcj dh xkn eanh{kk ikusdh cnkSyr ^bLyke** dscksk dk ;g nqyHk volj ikIr Fkk tks fdlh vkSj dksulhc u FkkA

nwljsKku&foKku lsbZojh; inRr yxko ds dkj.k vkiusbLykeh'f'k{kk dk Hkkj; vkSj Q.k;kvius dFku vkSj ylu eafte l <a lsdhog cl vki dk ghfgLlk u FkkA

rhljslae&bZojdsHk;] nku&nf{k.kk vkSj riL;k ,oamiklukeavki dk ntkZmruk ghÅpk Fkk ftruk Kku&foKku eaA

pkSFksckgknjh vkSj bZkuh mRlkg lsdke ysdj vki usbLyke ds'k=qvkadsedkcysea iSEcj ¼l0½ vkSj eqlyekukadh lqj{kk dsfl ylsyseatkskdkjukes fn[k, og vuqbsvkSj vf}rh; FkA

ml Fkk ik¡pok¡ le; eatc dky usvki dksbLykeh txr dsc M+sHkkx ij 'kklu dkvolj fn;k] rks vkiusyxkrkj xg;q) vkSj cxkorksadsneu ea Q,Lr jgusdscktwn jkT; izkklu dhQ,oLFkk vkSj izU/k dstksfl)kUr fu:fir fd, vkSj ftu ij cjkcj dk;Z} jgsog lPph bLykeh gqdwer dk eW;oku uewuk FkkA bl fy, vki dh 'kgknr bfrgkl dh ,d nq[knkbZ?kVuk gSA vkSj fiNyslk<+rsjg lkS lky lsmldh ;knxkj iz;s o"kZeukbZ tkrh gSA bldsfy;s;gh bLyke dsbfrgkl dk ,d nhIreku ;qx lekIr gksx;kA

fu.kkZ&'kfDr

gtjr vyh ¼v0½ dh bLykeh clhjr ¼varZf"V½ vkSj /keZKku eavki dseW;oku LFkku dk dN vUnkt + bl ckr lsgksk gSfd gtjr mej fcu [kRrkc vius 'kklu dky eaegRo iwkZeqkeykaea lekU;r%vki ls ijke'kZdjrsFksvkSj vki dhjk; ij pyrsFkA felz dsl fcp[;kr lkfgR;dkj vkSj bfrgkl fon ^^rkgk gqlsu** usviuh vjchiqLrd ^^vyhoculgw** eaftl dk vuqokn mnZweaeksykuk vCnqy gqlsu hukekuh us^^vyh** dsuke lsfd;k gS fy[krsgS%&

gtjr mej gtjr vyh ds /keZ fo/k dsxgjs Kku lsHkyhHkkfr ifjfpr FksvkSj Qrek;k djrsFksfd ^^ge eal okZfkd QSlyk djusdh ;kX;rk ¼gtjr ½ vyh eagSA gtjr mej dkstc fdlheqkeyseamy>kos dklkeukgksrkog ml dksgtjr vyhdsl keusi 'sk djrsA gtjr vyhdsl nxqkcgqr ft;+knk gSA gtjr iSEcj ds^^lgkch**$_1$ viuser Hkh dsckotwn bu lnxqkksa dksLohdkj djrsgSA ^^rkcbZ**$_2$ cqtqxZ Hkh bu lnxqkkadks ekursgSA lpuh gtjrksa dksHkh bu lnxqkksaij fo'okl gStSslsf'kvkadksfo'okl gSA

Kku&foKku eagtjr vyh dh vaZf"V dk lwu oksjRu gStksvki dsoDrQ kav kSj i=kadslaxg ds: i ea^^ugtqy cykxk** ea,dfrz gSA dqjvku etht ea fpUru vkSj euu ij tkscy fn;k x;k gSml dhegRrk dksgtjr vyhlsft;+knk fdlhusugha le>kA /keZdseyw fl)kUr vkSj mudhQ,k;kn;sukukgksrks^^ugtqy cykxk** dsKku eaMwc dj n{k,A

v/;kfRed xqk

vkerkSj ij mu rchvrkaeatksKku&foKku ls LoHkkfod lqfp j[krh gSlae vkSj bZojh; Hk;] riL;kvkSj mikl ukdkdN ft;+knk'kkSd+ughagksk gSA exj gtjr vyhdsloZxqk lEiUu Q,fDrRo ea;s v/;kfRed xqk eku fld xqkkalsHkh vf/kd mTtoy

HkkSa nhfreku utj+ vkrs gSaA vki dh mikluk esa layXurk dk cgqr fpUZ uewuk ;g okd;k gS fd ,d ejrck yM+kbZ ds eSnku esa nq'eu dk rhj vki dks yx x;k tc mls [khapk dj fudkyus dh dksf'k'k dh tkrh rks vfr ihM+k ds dkj.k rhj fudkyus ls jksd nsrs FksA var% ;s mik; fd;k x;k fd tc vki uekt+ vnk djrs gq, lTns esa x, rks fdlh us iwjh 'kfDr ls [khap dj rhj fudky fy;k vkSj vki dks mikluk esa rYyhurk ds dkj.k ihM+k dk rfud Hkh ,glkl ugha gqvkA

vki dh rhL;k vkSj bZcknr ls Hk; dh vufxur felkysa esa ls ,d lquh vkfye egkuk vcnqy yke fd+okbZ vki ds pfj= o.kZu esa fy[krs gSa ^^gtjr vyh cSrqy eky ¼jkT; dks"k½ dh lkjh vkenuh turk ij [kpZ dj nsrs ,s ejrck cSrqy eky Hkj x;k rks dk;ZdrkZ us lwpuk nhA

vkius gqDe fn;k dwQ+s ds 'ks[kksa dks cqyk ds ;g /ku mudks lkSai fn;k tk,A tc ;s gks pqdk rks mls lkQ+ djkds mlesa uekt+ i<+h vkSj Qjek;k %& ^^,s lqugyh :igyh /kkSa/kk /kM+h rw fdlh vkSj dks /kks[kk djukA**

vki dks turk ds /ku ls bruk ijgst+ FkkA ,d Qfdr dgrk gS fd eSaus mUgsa l[r tkM+s esa dEcy dk ,d NksVk VqdM+k vks<+s tkM+s ds dkj.k lkjh nsg dkai jgh FkhA eSaus dgk ^^[kqnk vki ij jge djs vki viuh tku ds lkFk ;g Qqogkj D;ksa djrs gSaA bl cSrqy eky dh vk; esa vYykg us vki dk vkSj vki dh vky vkSykn dk fgLlk Hkh j[kk gS** ;g lqudj vkius Qjek;k fd ^^;g VqdM+k rks eSa vius ?kj enhus ls yk;k Fkk rqEgkjs eky ls rks eSaus dqN ugha fy;k gS**

;gh fl}kUr ,d ^^lgkch** tjkj fcu tqejk dk ,d dFku vuqlkj djrs gSa fd ^^eSaus mUgsa ¼gtjr vyh dks½ jkrs gq, vkSj ;s dgrs gq, lquk& ^^vjs nqfu;k rw eq>s fj>kus vk;h gS nwj gks nwj] esjs vykok fdlh vkSj dks /kks[kk ns eSa rks rq>s rhu rykd+ ns nh gSa vc rsjh rjQ+ iyVus dk dksbZ loky ugha rsjh vk;q FkksM+h gS esjk fotkl rkrq; gS rsjs tksf[ke cM+s gSa gk; ikFks; dh deh ;k=k dh nwjh vkSj jkLrs dk vkrad tud gkskA**

vf}rh; ohjrk%&

etk+ ;g gS fd ;gh rilLoh] la;eh ;gh jkrksa dks tkx ds mikluk djus okyk] lej {ks= esa ohjrk vkSj 'kkS;Z ds vnHkqr vkSj vuwBs&vuwBs fn[kkrk gSA iSXkEcj vkSj bLyke ij nq'euksa ds vkØe.k dk eqdkcyk djus ds fy, gtjr iSXkEcj ds lkeus gq, ;q)ksa esa gtjr vyh ds dkjukes bfrgkl ds iUuksa ij lksus ls fy[ks gq, eksrh gSa ;gka mu ds ckjs esa cl bruk dg nsuk dkQ+h gS fd ^^djkZ**3 vkSj ^^'ksjs[kqnk** dh mikf/k;ksa ftu ds }kjk vki dks pkSng lkSl ky ls ;kn fd;k tkrk gS vki dks vuk;kl gh ugha fey xbZ FkhaA

vkius vius cgqr FkksM+s 'kklu dky rd lPph bLykeh gqdwer dh og felky LFkkfir dj nh tks vkt rd nqfu;k ds fy, ekxZn'khZ dk dke ns ldrh gSA bl dk dqN vuqeku bl ?kVuk ls gksxk fd vki ds 'kklu dky esa ,d ckj vki dk dop ugha fxj x;kA la;ksx ls ;s ,d ;gwnh ds gkFk yx x;kA vki dks tkudkjh feyh rks vkius dkt+h dh vnkyr esa nkok nk;j fd;k bl ckr ds lk{; esa fd mDr dop vki dh gh lEifRr gSA vkius vius csVs gtjr beke glu ¼v0½ vkSj vius nkl dacj dks izLrqr fd;kA ysfdu dkt+h us ;g xokgh ugha ekuh vkSj ;s dgk fd ;g nksuksa xokg vki ls cgqr fudV dk lEcU/k j[krs gSa** vkSj nkok [kkfjt dj fn;kA vkius dkt+h dk QSlyk fu%ladksp eku fy;k vkSj ;gwnh ;g ns[kdj cgqr izHkkfor gqvk vkSj cksyk ^^;g rks iSXkEcjksa dh dk;Z)fr gS dkt+h [kyhQ+k ds fo:) QSlyk nsrk gS vkSj [kyhQ+k mls fdlh erHksn ds fcuk eku ysrk gS bZoj dh lkSxa/k ;g nhu lPpk /keZ gS** vkSj ;g dg ds mlus bLyke dk dfyek i<+ ds bLyke xzg.k dj fy;k vkSj dop vki dks lkSai fn;kA

,d okdk+ lquyhft,A vki ¼gtjr vyh v0½ us vius pkpk ds csVs dks ftUgsa vki cgqr fiz; j[krs Fks ^^cljk** dk iz'kkld fu;qDr fd;kA tc mu ds xyr vkpj.k dh [kcjsa vki rd igqaph rks mu dks ,d [kr fy[kk ftl esa vR;Ur nq[k vkSj Øks/k dh vfHkO;fDr dh mldk vFkZ ;g gS fd &^^bZoj ls Mjks iUFk dk /ku okil dj nks vxj rqeus ,slk ugha fd;k rks bZoj dh lkSxU/k tc eq>s volj fey x;k eSa rqe dks idM+ ds fglkc d:axkA gd+ gdnkjksa rd igqapk nwaxkA vR;kpkjh dks ek:axk vkSj ihfM+r ds lkFk U;k; d:axkA**

mijksDr lPpkb;ksa dks lkeus j[krs gq, 'kk;n

fdl hU;k; okn hdks ;g eku ys us ea l adkp gks fd ,s s loZ qkh [kyhQk+ dh 'kgknr bfrgkl dh ,d egku =kl nh g S ;fn og LoHkkfod vk;q ikrs rks bLyke ds bfrgkl dk /kkjk iyV tkrk vkS mlds ;'kl Lkjh nqfu;k ykHkkfUor gks rhA

'kgknr dh ?kVuk vkS mldh i"BHkwfe c;ku djus ds fy, ,d iwjh iqLrd dh t+:jr gks xhA ;gk;rks bruk gh vtZ fd;k tk ldrk gS fd igyh lnh fgtjh dh rhljh ngkbZ eas cgqr lsa equ yeku ea bLyke dh lPph brZ:g ¼'kh;k vkn'kZ½ cknkg+ugha jgh FkhvkSj dkQ+h yksx keaarks/ku nkSyr vkSj 'kfDr vkSj 'kkl u dh gol lHkh uSfrd ewY;ksa ij NkxbZ FkhA bLyke ht xr ea >xM+s >ai V dk ,d rQku [kM+k gks x;k FkkA ftl dks ncku s ds fy, gt jr vyh dks dbZ yM+kb;k¡ yM+uh iM+hA equ yekuka dk ,d fufoo"d xqV tks igys gt jr vyh dks ekurk FkkA bl ckr ij vki lsu kjkt+ gks x;k fd tc ^^fl Q+Hkhu** ea vehj eq kfo;k ij fot; ikus dk i jwk volj miyC/k Fkk rks vki us ml ekSds ls Qk;nk ugha mBk;kA ;g ykx vki dk l kFk NksM+dj vki ds fojks/kh ij mrj vk, vkS ^^[kkfjt h** dsuke lst kus x,A bu ykxka us vki ls ea"kM;U= djds vCnq jgeku fcu eqfte dks vki ds dRy ij r S;kj fd;kA jet ku ¼u~40 fgt jh½ dh mUuhl oha jkr dsfi Nysigj eat c vki ?kj lsfudys vkS ykxka dks uekt+ ds fy, vkokt +ns s yxs rks fcu eqfte us t ksefLt n ea Nq k gqvk Fkk ryokj dk okj fd;k tks vki ds eLrFks ij iM+k vkS fnekx rd igq¡p x;kA ykx vki dks ?kj yk, t gk¡ vki ,d fnu vkS nks jkr 'kS:;k ij jgs vkS rhljh jkr fu/ku gks x;kA bl jkr dh i"Hkkr ds cks jsea ;g dgk t kl drk gS t Ss fd rgkk gq S usv iuh fdrkc ea fy[kk gS fd ^^ykeZ ds 'kkl u ds jkr fnu ckr pq ds Fks vkS nqfu;k dh gdqer dk /kkfey dkiz V gks jgk FkkA**

ukV %&

ejgwe fo}ku y§kd us gt jr dh 'kgknr dk tks fooj .k fn;k gS ;g ,d det kS jok;r ¼vukgkj½ ij vk/kkfjr gSvf/kd fo'olu h; dFku gS fd vki ij lqg dh uekt+ dh igyh jdvr dsnkSjku ls Tnsdh gkyr ea okj fd;k x;kA rqjUr vki dh t xg vki dscM+s cVsbeke gl u ¼v0½usylyhv kSj uekt +iwjh dh] rc dkfry dks idM+k x;kvkS gt jr dks?kj ys tk;k x;kA ¼mnZw ekfl d ^^eqhu** en`m 14 dst uw&t ykbZ 1977 bZds v d eaizdkf'kr y§kdkl Ei knu&Q oLFkk }kjk vuqkn½A

1&lgkch og Q fDr ft lus bLyke vkS beku ds lkFk gt jr iS Ecj dk n'ku ik;k gks vkS vkidh f'k{kk lsQk;nk mBk;k gks vkS fQj beku dh gkyr eaejk gksA

2&rkfcbZ og eqlyeku ft lusgt jr iS Ecj dsfdlh lgkch dks ns[kk gks vkS mldh f'k{kk lsykHk mBk;k gksA

3&djkZ c<&c<+dscks&ckj geyk djusokyk ;ks kA

¼rkSghn&vad 2 i"B 125 ls126 rd½

¼cfd;k i"B u0 16 dk]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]½

beke uset hZ,&[kq kdsi s" ksut j+ mldks [kk;k vkS beke dsft Le eat gj usvlj fd;kA

tc ekeurfen dkst gj~ dsQSyusdhbfRryk ghZrksmlusnjckjhrcht vCnqYykg dksbykt dsfy;sHkstk ft ldsrkdhm dj nhfd t gj~[kkuhdhbfrykv fdlhdks u gksusik;sA jkohdkc;ku gSfd vkf[kjhfnu beke usvkcs [kkfyl ryc djdsoqt wfd;kvkS uekt+vnkQjekbZ cknuekt+fcLrj ij r'kjhQ+ysx;svkS mlhdspUn yEgscknbeke dhoQkr gksx;hA ;g 260 fgtjh dhvkBoha jch&my&vOoy FkhA

ekeurfen beke dkst gj~ ls'kghn djusds ckn dkS'kk'keasyxk jgk fd ykxksadksckoj gkst k;sfd beke dks'kghn ugha fd;k x;k gSrcyfd viuh rcbZ ekSr lsbfUrdky Qjek;k exj beke dsft Le ij t gj~ dkvlj ekeurfen dh dk;'k ij ikuh QsjrkjgkvkS vkidh [kcjs'kgknr ikdj iwjk 'kgjslkejk fgyusyxkvkS vkgksch{kdk 'kksj cik gksx;kA ml jkst +'kgj lkejkeSksusfd;ker dk uewuk%gksx;kFkkvkS tkfye ckn'kkg dspsgjsdk jax Qd+FkkA

●●●

jqckbZ

nsysfgUh ekSykuk Qjt Uh gqbS tkf[kj bTtgkn
n¶+j tks uqQmr dk eqEey gksrk
vgen lsuch dksbZuk vQt+y gksrk
lQ+cLrk d+ker ea tc vk;k s jkqy
vkf[kj dk jlwy lclsvOoy gksrk

●

gtjr beke glu vLdjh ¼v0½ ij vCckl h gqdwer dset kfye vkS gtjr dh 'kgknr

ekSykuk lS0 ekgEen eqLye udoh

gekjs X;kjgosa beke gtjr glu vLdjh ¼v0½ 10 jch&ml &lkuh 232 fgt hadksenhuk%&,&equOojk eaiSnk gq vkS ekSr+en vCckl h [kyhQk+ dhdSn ea 8 jch&my&vOoy 260 fgt hadksl kejk eaa'kghn gqA

vCckl h gqdwer usbeke ij et kfye dh bfUrgk dj nh oDr+ lsdh tc vkidk fl us'kjhQ nks; k rhu l ky dk FkkA

lcl sigys equofDdy vCckl h usbeke dks beke vyh udh+ ¼v0½ dsgejkg dSn dj fy;k vkS rjg rjg dh vt kr+ rsansk jgkA tc equofDDy vius fBdkusyxk rksvki eqrfl j fcYykg dh fgjkl r eajgs vkS ml dscksn eqrvhu fcYykg dset kfye cjnk'kr djrsjgs eqrbZ fcYykg vCckl h [kyhQk+ dscksn eksr t +v vCckl h [kyhQk+ usdSn dj dsvyhfcu ;kje'k dhdSn eansfn;k vkS gDe fn;kfd l[r+ lsl[r+ igjs eaj[kk t k;svkS gj eqEdu Tkqye jokj[kk t k;A

vyhfcu ;kje'k beke dhfvckmr lsbl njt keqv fLlj gq kfd og beke dkl Ppk eqgc gks x;k vkS beke lseqqkQh+ ryc djdscMs+ ,gfrjke ls?kj okil igqpk fn;k vkS dgk fd cks'kkg vxj eqjsbl vey lsukjkt gks rkseqsml dhijok ugha eSml dh [kq kunh ij [kqk dh [kqkunh dkseksd++e le>rk gwA

eksr t +fcYykg dksnqkeuh&,&vkysjl y dh cgq tYnlt k+fey x;hvkS: fe;kusekTkwy djdsml dh txg ekgrnh fcYykg dks[kyhQk+ eqdjZj fd;kA ftlus r[r+sf[kykQr+ ij cSBrsghbeke ij l[kr;ksadk bTkkQk+ dj fn;kvkS beke dksl kfyg fcu guhQ+ dhdSn eansfn;k ftlusbeke dhfuxjkuhdsfy;sXkqykeksadkseqv ,;u fd;k tksbeke dksbZ+kjl kuhesadksZdlj%mBkughajj[krsexj beke fdl hcckr dhfkdk;r u djrscfYd fvcknr ea e'kxwy jgrsfcyvkf[kj lkfyg dsxqykeksadh beke ls

eqgkCcr+ eqkQr+ eacny x;hvkS og lc brkvr dk ne Hkjusyxa A ,d fnu lkfyg fcu guhQ+usnsf[kkfd ml ds xqykeksbeke dsl keuseqnrhc cSBsgSa ?kj vkdj ml usdgk fd vxj beke blhrjg dSn eajgsrksrekexjkg 'kh vk gkst k;axkfQj eksyeu ughaD;kfQhuk [kwMk+ gkst k;A ml us blh[;+ky lsbeke dksvkt kn dj fn;kA

ekgrnh lsrdZ ukjkt +gq ftUgksausml dks dRy dj fn;k rksekrfen vCckl h [kyhQk+ gq k ftlusbeke dksugjhj dhfgjkl r eansfn;k tksbeke ij cgqr et kfye djrk ftlsn{kdj ml dhcholhls cjnkLr u gq k vkS ml usdgk fd ;g Q+t Unsjlw gSbu ij TkqYe djdsviuhvkf[kjr u fcxkMk+ ugjhj viuhcholhdhckr lqdj xqkl seavkx;kvkS dgus yxkfd ,sls'k[l dslkFkgfxZ +dksbZfjvk;r ugha dj ldrkft lls[kyhQ%&,&oDr+ ukjkt +gksvkS ml hfnu lsvkS l[r+ hdjusyxkvkS ekSrfen lsbeke ds f[kykQ +b'kfrvky vaxst +ckrsadh ftldksl qdj ekSrfen usbeke dksnfjUnkseaMky usdk gDe ns fn;kA rkehysgDe Hkh gbZ exj tc ekSrfen us;g n{kkfd reke nfjUnsgtjr dsfxnZ tEv gksx;svkS beke 'kQdr+ lslc ij gkFkQsj dj uekt +esa'kxwy gksx;srksml dsik beke dksvkt kn dj nssdsfl ok pkjk D;kFkk \

dN vlZ dscksn ekSrfen usfQj beke dks dSn dj fy;kvkS beke dhbZ kjl kuhesadksZdlj u mBk j[khog vkidsdRy dseUlwscukrk jgkA [kqnl ij ikcUnhyxknhexj tc dke;kc u gksldk rksml usgtjr dks'kghn djusdsfy;sviusxqykeksa dsgkFk tgj~ feykdj [kkuk Hkstk vkS dgk fd ;g [kkuk[kk rkS lsvkidsfy, rS;kj fd;kx;kgSbl dks t+j ruokoy dj A

¼cfd+k ist u0 15]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]]½

मुख्य समाचार

lQ+rg mye ekeks+ Hkkuk l S; n dYcs vkfcn ud+ oh dh cjlh

9 fnl Ecj 2015 bZ eqrkfcd 26 lQ+j 1437 fg0 ¼cqèkokj½ dh 'kke 4 ct s vye cjnkjs bekes gkslSu eq;yeru lQ+rg mye ekeks+ Hkkuk l S; n dYcs vkfcn ud+ oh jger ev kc dh cjlh dh et fyl v; kst r gqbZ et fyl dk vkjEHk dqjv ku si kd dh frykor ls dkjh ekl we jt k+ us fd; kA ml ds ckn rt egh uxj+ ks] b'kjr y[kuoh vkS tjkj vdcjkckn h us ckjxkgs ekl weu ea [ks jkt s vdhnr i s'k fd; kA

et fyl dks lEcks/kr djrs gq dyckv rkl s vk; se ek: kuk vrgj vCck l kgc us dgk fd fl QZ beku ykuk dkQh+ ugha gS t c rd v ey u gksA mUgksus dgk fd eksfeu dh v ykerka ea l s gS fd oks vYykg ds gj gqDe vkS v gys cS dh f'k{kkvksa ij vey djrk gSA eksykuk us dgk fd dksbZ Hkh nkoh djus ls igys viu s dks nsf[k, ge ns[ks fd D; k ge oS l s gS t S l h nkok djrs gSa ;fn ge gj ekeys esa 'kfj; r ds vuql kj pyrs gS rks ge ds fy, vYykg dk njokt k cU n ugha gSA mUgksus dgk fd vkt ge viuh t eht sa cspdj egjs ns jgs gSa vkSj viuh cfPp; ksa dh 'kknh dj jgs gSa] ;s I c 'kSrku ds j kLrs gSa D; ksafd ge ds ekyks ij fd l h nq'eu dh u t j gSA ekSykuk us dgk fd eksfeu dks lcl s T; knk vYykg dk [kkSQ+ gksuk pkfg, vkSj mls I Hkh dke 'kfj; r ds v uql kj djus pkfg,A eksykuk us lQ+rg mye ekeks+ Hkkuk l S; n dYcs vkfcn ud+ oh jger ev kc dh f[kner ka ea m udh bYeh; r vkS mudh vkQkdh 'kf[l ; r ij ppkZ djrs gq dgk fd mUgksus ge 'kk f'k; r vkS 'kjh; r dh j{kk dhA ge 'kk eqLyeku ksa ds chp ,drk ds ot /kkjh jgs vkS dkS vkS et gc ds fy, viuh ijh ft Unxh oDQ dj nhA ;gh ot g gS fd vYykg us mUgsa 'kgknr ul hc dh vkS gj /keZ ds ekuus okys mud s t ukt s ea 'kkfey gq,A

eksykuk us dgk fd vxj+ cjgd+ eks dh reUuk gS rks gd+ dh fgek; r djks gd+ dh fgek; r ds fy, fdl h Hkh rjg dh dqckuh l s xqjsT+ u gha djuk pkfg,A eksykuk us dgk fd vkt nqfu; k eks dks rks ekurh gS ysfdu eks ds ckn dh ft Unxh i j ;dhu ugha j[krh blh fy, fQrukvks Qu+ ka ij v keknk gSA v kxj eks ds ckn dh ft Unxh ij ;dhu gks rks rksv k[kjr ds lQ+j ds fy, uke&,&vkeky ea fl QZ ukfd; k gksA et fyl ds ckn lQ+rg mye k dh : g dks blkys l okc ds fy, Qkrgk [okuh dh xbZA

bjkd+ dh rqdhZ l s vius QkSth okil cqykus dh ekx

5 fnl Ecj dks bjkd+ dh gqdwer us rqdhZ l s ekax dh gS fd oks f'kekyh 'kgj ekwy ds djhc+ h bykds l s vius QkSth okil cqyk ysA ot hjs v kt e gSnj vy vkfcnh ds nQ+ rj l s t kjh gksus okys c; ku ea dgk x; k gS fd rqdhZ dk ; s bdnke bjkd+ dh [kqn eq[rkjh dh f[kykQ+ ot hZ gSA bl l s igys feyu us okyh l ppukdsv uq kj rqdhZ us cxkSj bt kt r ds bjkd+ dh [kq eq[rkjh ds d: wdko eks vkSj lbl s ckn dks rqdhZ dk 150 QkSth bjkd+ dqZQkS Z+ dks rjch; r nsus ds fy, fu/kkZfjr fd; sgSA ewy fiNys lky ls [kqq dks nkSyrs bLykfe; k dgykus okyh dVVj i UFkh xqV ds dCt s ea gSA

c; ku ea dgk x; k gS fd rqdhZ MkShe eqYd ds l kFk v PNs lEcU/kk dk v knj djrs vkS QkSu bjkd+ h l he k v kal s fudy t k;sA cqt hfo; ksa dk dguk gS fd bjkd+ ea [kqq eq+ rj dqZ bykdksa ds l kFk rqdhZ ds v PNs lEcU/k gSa ysfdu rqdhZ 'khe dq Z xqVksa ds eqfkky Qu dh ut j+ l s n[kjk gSA l du ewy nkSyrs bLykfe; k ds mHkjus ea, d v ge eks M+ Fkk ft l ds ckn bjkd+ gqdwer dbZ ckj ewy ij nqckjk dCt k djus dh dksf'k'k dj pqdh gSA

'kghnksa ds tukts+ okil djus ds fy, cSy eqnn~l eaizn'kZu

5 fnl Ecj dks fQfyLrhu iseds etvk+ cSy eqnn~l 'kgj eatq esdsjks+ ueks tstq e k dsckn dy+ fUn; kv kS 'kkQkr iukg xtho dSEi ka ea nks vyx&vyx jSy; k¡ fudkyh xbA iz'kZdkfj; ksa us gkFkksa ea fQfyLrhuh 'kghnksa dh rLohjsa vkS cSuj mBk j[ks Fks A ftu ij bl jkbZyh QkSt dsdCt s+ ea j[ks 'kghnksa ds tukt ksa dks mudsokfjl ksa dks okil djus dk eqrkfyck fd; k x; kA FkkA ejdt +s bRrsykv krsfQfyLrhu dseqkfcd +dy+ fUn; ka ea jS yh dk vk; kt+ u ejdt +h efLt nst ksa esa l sgqvkA ft l ea l S dMka 'kgfj; ksa us f'kjdr dhA

iz'kZdkfj; ksa us fQfyfLruh 'kghnk gnhy v okn ds tuktsa+ dks mudsokfjl ksa dks okil djus dh ekax djrs gq, nkoj s reke 'kghnksa ds tukt ksa dks Hkh mudsokfjl ksa dks okil nsus dh ekax dhA [k¡ky jgs fd gnhy v okn dk l Ec¡ak cSy eqnnl ds dy+ fUn; k ds bykds l s gSA mUgsa bl jkbZyh QkSt ; ksa us pUn ekg igys xksyh ; k¡ ekj dj 'kghn dj fn; k FkkA iz'kZdkfj; ksa dk dguk gS fd 'kghnk v okn dh ek¡ gj fnu v iuh cVh dh ; kn ea jksrh jgrh gSA ge l c dk ml ds l kFk feydj ; seqkyck gS fd 'kghnk dk tukt k+ v fr 'kh?kz ml ds okfyns S dsgokys fd; k tk, srkfd ml sbLyke h rjhd s+ l s nQu dj l dsA

b/kj cSy eqnnl ds 'kkQkr iukg xtho dSi ea Hkh 'kghnksa ds tuktsa+ mudsokfjl ksa ds gokys djus dsfy, , d jSyh fudkyh xbA jSyh dk , grea ekdeh 'kgfj; ksa vkS fl foy l ks kbVh dh tkfuc l s fd; k x; k FkkA iz'kZdkfj; ksa us bUl kuh gqdwd +dh v kyeh rut hekssa vkS v kyeh cjknjh l s Hkh eqkyck fd; k gS fd oks bl jkbZyh QkSt dsdCt+s ea eksS nwk fQfyLrhuh 'kghnksa ds tukt s+ mudsokfjl ksa ds gokys djkus ds fy, l g; wnh fj; klr ij ncko Mkys A

iz'kZdkfj; ksa us 'kghnksa vkS v l hjksa ds ?kj ksa dks /oLr fd; s tkus fd Hkh dMh+ fuUnk dh vkS bl s l g; wnh fj; klr dh xqMkxnhZ dgkA ed keh tj¡k, ds eqkfcd dy+ fUn; k i iukg xtho dSi ea iz'kZ ds nkSjku fQfyLrhuh 'kgfj; ksa vkS bl jkbZyh QkSt +ds chp >M+ ia Hkh gqbA

dkfct +QkSt ; ksa us iz'kZdkfj; ksa dks gVkus ds fy, mu ij ykBh pkt Z dh vkS v ka wxS dh 'kSy ka Hkh dh ft l l s dbZ yksx t [+eh gks x; sA

bl jkbZyh v krdoknh ikjEifjd :i l s tkjh

10 fnl Ecj dks fQfyLrhu ea bl jkbZyh QkSt vkS l g; wnh fj; klr ds et kfye ds f[kykQ +1 v DVwcj l s tkjh rgjhd s bUrsdkt k+ ds 71 fnu iwjs gks x; s gSA

cgqk dks Hkh bl jkbZyh QkSt ; ksa us ng'kr xnhZ dk iz'kZu djrs gq, , d fQfyLrhuh uksoku dks 'kghn vkS 50 dks t [+eh dj fn; kA

nkSjhu t kfuc xt t+ 'kkrkjkx +fQfyLrhfu; ksa dh rjQ l s nks fQt+ kbZ dk; Zokb k; dh x; ha ft u ea dbZ l g; wnh QkSth t [+eh gq t c fd 10 edkekr ij l g; wnh fj; klr ds f[kykQ et kgerh 'kgfj; ksa dh tkfuc l s QkbfjaX ds ufrtse ea nks ; gwnh QkSth t [+eh gks x; sA

v y[kyhy 'kgj ea bl jkbZyh QkSt ; ksa us 20 l kyk fQfyLrhuh uksoku v cnqjjgeku ; l jhe l mnk dks xksyh ; k¡ ekj dj 'kghn dj fn; kA ng'krxnkZa dh tkfuc l s bl ij bytke v k; n fd; k x; k Fkk fd bl us pkdw l s geyk ea nwjsbl jkbZyh QkSt ; ksa dks t [+eh fd; k gSA bl h chp fQfyLrhuh frCch t j¡k, vkS gyky v gej fQfyLrhu dh tkfuc l s tkjh djnkc; ku kr ea crk; k x; k gS fd 9 fnl Ecj dks xcZ bjnu ea l g; wnh QkSt dh QkbfjaX l s 5 fQfyLrhuh t [+eh gq, A pkj yksxksa dks xksyh ; ka l sfu'kkuk cuk; k x; k ft l dh otg l s og ygwyqgku gks x; sA 43 fQfyLrhuh v ka wxSl dh 'kSy ka l s t [+eh gq, A